मुख्यमंत्री सहायता कोष में राशि देने की ऑन लाइन व्यवस्था का शुभारंभ

मुख्यमंत्री को मिले स्मृति-चिन्ह के बदले मिली दान राशि से गरीब बच्चों का होगा उपचार, मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा दान देने की अपील

Bhopal: Monday, March 14, 2011: Updated 20:55IST

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने आज यहां मुख्यमंत्री सहायता कोष में ऑन लाइन दान देने और दान के बदले दानदाताओं को मुख्यमंत्री को प्राप्त स्मृति चिन्ह को उपहार स्वरूप प्रदान करने की ऑन लाइन व्यवस्था का शुभारंभ किया। यह सुविधा राज्य सरकार के वेबपोर्टल www.mponline.gov.in पर उपलब्ध है।

श्री चौहान ने नयी व्यवस्था का शुभारंभ करते हुए बताया कि स्मृति-चिन्हों के लिये ऑन लाइन भेंट देने के अलावा आम नागरिक सीधे भी मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपना योगदान कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्हें विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री के रूप में भेंट किये गये स्मृति-चिन्ह वास्तव में जनता की ही सम्पत्ति है। उन्होंने बताया कि इन स्मृति-चिन्हों के लिये दान राशि ऑन लाइन के माध्यम से की जा सकती है तथा दानदाताओं से मिलने वाली राशि से गंभीर बीमारियों खासतौर से 12 साल से कम उम्र के गरीब बच्चों की हृदय रोग चिकित्सा में उपयोग किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक स्मृति चिन्ह की न्यूनतम दान राशि दो लाख एक हजार रूपये रखी गई हैं। प्रारंभिक रूप से 50 स्मृति-चिन्हों को ऑन लाइन प्रदर्शित किया गया है। दानदाता दान राशि देकर अपनी पसंद के स्मृति-चिन्ह उपहार स्वरूप प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने इसे मानवीय पहल बताते हुए समाज के सभी सक्षम लोगों से मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा में समाज और सरकार दोनों का सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दान की राशि निर्धारित राशि से अधिक राशि हो सकती है। उन्होंने कहा कि राशि से मानवीय सेवा की भावना ज्यादा महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सहायता कोष और मुख्यमंत्री स्वैच्छानुदान निधि से समाज के निर्धन लोगों को संकट के समय तत्काल राहत और आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। ऑन लाइन सुविधा और अनुदान के बदले स्मृति चिन्ह भेंट करने की पहल इस दिशा में एक नई पहल है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सहायता कोष में ऑन लाइन दान देने की प्रक्रिया से भौगोलिक सीमाएं भी समाप्त हो गई हैं। दानदाता अब वेबसाइट पर हितग्राहियों के नाम और दानदाताओं की सूची देख सकते हैं और अपना फीडबेक भी दे सकते हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री को प्राप्त स्मृति-चिन्हों के फोटो-ग्राफ भेंट देने वाली संस्थाओं के नाम एवं वर्ष भी वेबसाइट पर दर्ज है।